रसूखदार मयंक अग्रवाल ने कायदों को रौंदकर खड़ी की मौत की इमारत

1 हजार की अनुमति पर तान दिया 3 हजार फीट का अवैध साम्राज्य

शहडोल। संभागीय मुख्यालय के वार्ड क्रमांक 28 स्थित सौखी (साखी) मोहल्ले में शनिवार को जो कुछ भी हुआ, वह महज एक हादसा नहीं बल्कि रसूख, पैसे की हनक और प्रशासनिक सेटिंग से किया गया क्राइम है। धनपुरी निवासी रसूखदार मकान मालिक मयंक अग्रवाल (अग्रवाल बंधुओं) की साईं आईटीआई रोड पर बन रही बहुमंजिला इमारत शनिवार को ताश के पत्तों की तरह ढह गई। भ्रष्टाचार की कंक्रीट से बन रही इस अवैध बिल्डिंग की दूसरी मंजिल की छत ढलाई के दौरान पूरी की पूरी सेनट्रिंग भरभराकर नीचे आ बैठी। इस भयानक मलबे में दबकर तीन मजदूर जिंदगी और मौत की जंग लड़ रहे हैं, जिनमें से दो की हालत बेहद नाजुक है, लेकिन इस रोंगटे खड़े कर देने वाले हादसे के बाद जो सच सामने आया है, उसने नगर पालिका से लेकर पूरे जिला प्रशासन के मुंह पर तमाचा जड़ दिया है। कायदों को जूते की नोक पर रखने वाले भवन मालिक मयंक अग्रवाल ने नगर पालिका से महज 1 हजार स्क्वायर फीट में निर्माण कार्य की अनुमति ली थी, लेकिन मौके पर बिना किसी खौफ के लगभग 3 हजार स्क्वायर फीट में अवैध साम्राज्य खड़ा किया जा रहा था।

निजी अस्पताल में चल रही है सांसे बचाने की जंग

शनिवार को क्रिश्चियन हॉस्पिटल के पीछे कंक्रीट मिक्सर मशीनें गरज रही थीं और दमोह से आए गरीब मजदूर अपनी जान हथेली पर रखकर अग्रवाल बंधुओं की इमारत चमका रहे थे। तभी अचानक एक जोरदार धमाके के साथ छत का अगला हिस्सा बैठ गया। जब तक मजदूर भाग पाते, पूरी छत मलबे में तब्दील हो गई। स्थानीय लोगों ने देवदूत बनकर तुरंत रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया और मलबे को हटाकर खून से लथपथ मजदूरों को बाहर निकाला। हादसे में गंभीर रूप से घायल हुए तीन मजदूरों की पहचान बृजेश, मूरत और बृजेंद्र के रूप में हुई है। इन्हें अंदरूनी और जानलेवा चोटें आई हैं। आनन-फानन में इन्हें आदित्य हॉस्पिटल (निजी चिकित्सालय) में भर्ती कराया गया है।

अग्रवाल बंधुओं का पूरा कच्चा चिट्ठा

भवन मालिक द्वारा नियमों और जन सुरक्षा के साथ किए गए खिलवाड़ किया गया है, नगर पालिका से स्वीकृत मात्र 1,000 स्क्वायर फीट ली गई है, कायदों को रौंदते हुए लगभग 3,000 स्क्वायर फीट में निर्माण किया जा रहा है, ठेकेदार रंजीत सिंह (राजस्थान) ने बड़े-बड़े दावे ठोकते हुए कह दिया कि मजदूरों का श्रम कार्यालय में पंजीयन है, लेकिन उसने खुद कबूला कि इन बाहरी मजदूरों का पुलिस वेरिफिकेशन नहीं कराया गया था। बिना किसी कानूनी रिकॉर्ड के चोरी-छिपे इतनी बड़ी बिल्डिंग का अवैध निर्माण आखिर किसके संरक्षण में चल रहा था?

रसूख के आगे घुटने टेक देगी पुलिस

यह कोई पहला मामला नहीं है जब शहडोल में किसी रसूखदार के निर्माण कार्य के दौरान मजदूरों के खून से जमीन लाल हुई हो। इतिहास गवाह है कि जब भी शहर में ऐसे हादसे हुए और गरीब मजदूरों की जान गई या वे अपाहिज हुए, तब-तब नोटों की गड्डियों के दम पर भवन मालिक और बिल्डरों के खिलाफ होने वाली हर कार्रवाई को फाइलों में ही दफन कर दिया गया। अवैध रूप से तीन गुना ज्यादा निर्माण कराकर मजदूरों की जान जोखिम में डालने वाले मुख्य आरोपी भवन मालिक मयंक अग्रवाल पर गैर-इरादतन हत्या के प्रयास का मुकदमा दर्ज क्यों नहीं किया जा रहा। जब नगर पालिका की अनुमति केवल 1 हजार फीट की थी, तो 3 हजार फीट में बने इस अवैध ढांचे को जमींदोज करने की हिम्मत प्रशासन क्यों नहीं दिखा रहा?

10 हजार की रिश्वत न मिलने पर फाड़ दिया गरीब का आवेदन

गरीब महिला ने संभागायुक्त कार्यालय में लगाई न्याय की गुहार

शहडोल।

शासकीय योजनाओं में भ्रष्टाचार और रसूखदारों की दबंगई किस कदर हावी है, इसका एक जीता-जागता और शर्मनाक उदाहरण सोहागपुर तहसील के ग्राम कठौतिया (अमहा टोला) में सामने आया है। यहां की निवासी एक अत्यंत गरीब महिला लक्ष्मी महरा पति कैलाश महरा को प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने के नाम पर पंचायत के कारिंदों ने प्रताडऩा की सारी हदें पार कर दी हैं। 13 जुलाई को पीड़िता ने सीधे कमिश्नर कार्यालय पहुंचकर शिकायती पत्र सौंपते हुए पूरे भ्रष्ट तंत्र की पोल खोल दी है। पीड़िता ने शिकायती पत्र में गंभीर आरोप लगाया है कि जब वह अपने स्वीकृत हो चुके पीएम आवास योजना के सर्वे की जानकारी लेने ग्राम पंचायत गई, तो वहां मौजूद सचिव अब्दुल्ला खान, नेहा सिंह परिहार, बिज्जू सिंह, दीपक सिंह और हनुमान प्रसाद उपाध्याय ने उसे घेर लिया। इन लोगों ने खुलेआम महिला से 10,000 की रिश्वत मांगी। जब अत्यंत गरीब होने के कारण लक्ष्मी ने यह राशि देने में असमर्थता जताई, तो इन सफेदपोशों ने आव देखा न ताव, सीधे उसका आवेदन पत्र फाडक़र फेंक दिया और कहा कि तुम इस योजना का लाभ कभी नहीं पा सकोगी और उसे वहां से दुत्कार कर भगा दिया।

ग्रामीणों और आम नागरिकों के लिए बनाई गई सरकारी गौशाला और सार्वजनिक कुएं पर हनुमान प्रसाद उपाध्याय एवं अम्बिका प्रसाद उपाध्याय ने अवैध रूप से कब्जा कर उसे अपनी निजी जागीर बना लिया है और गरीब आदिवासियों व ग्रामीणों को पानी तक लेने से रोक रहे हैं। शिकायत में सबसे सनसनीखेज खुलासा मनरेगा और मजदूरी के पैसों की बंदरबांट को लेकर हुआ है। पीड़िता लक्ष्मी महरा ने बताया कि वह जब भी मजदूरी के लिए जाती है, तो ये दबंग धमकी देते हैं कि वेतन का आधा हिस्सा हमें दोगी, तभी काम पर रखेंगे। पिछले 10 वर्षों से महिला के साथ इसी तरह की घिनौनी हरकत की जा रही है। इतना ही नहीं, ये जालसाज अम्बिका प्रसाद उपाध्याय उम्र 62 वर्ष, बुजुर्ग जो काम करने में पूरी तरह असमर्थ है, सहित परिवार के अन्य सदस्यों के फर्जी हस्ताक्षर करके सालों से शासन के खजाने से मजदूरी की राशि डकार रहे हैं, जबकि वे कभी काम पर गए ही नहीं। पीड़िता ने 13 जुलाई को कमिश्नर कार्यालय में पावती दर्ज कराते हुए मांग की है कि इस भ्रष्ट सिंडिकेट के खिलाफ तत्काल गुप्त जांच कराकर दोषियों को जेल भेजा जाए।

कलेक्टर ने की सीएम हेल्पलाइन एवं समय-सीमा पत्रों की समीक्षा

50 दिन से अधिक लंबित शिकायतों का प्राथमिकता से निराकरण के दिए निर्देश

शहडोल। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह द्वारा सीएम हेल्पलाइन एवं समय-सीमा के पत्रों की विस्तारपूर्वक समीक्षा की गई। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सीएम हेल्पलाइन में 50 दिवस या उससे अधिक समय से लंबित शिकायतों का प्राथमिकता के साथ गुणवत्तापूर्ण एवं संतोषजनक निराकरण सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर ने कहा कि जिन विभागों में 50 दिन से ऊपर की शिकायतें लंबित हैं। संबंधित विभाग के अधिकारी इन शिकायतों की मानीटरिंग स्वयं करें। शिकायतों के निराकरण से संबंधित जवाब एल-1 अधिकारियों के माध्यम से अनिवार्य रूप से दर्ज कराएं।

उन्होंने यह भी कहा कि कोई भी शिकायत अनअटेंडेड न रहे। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि जो विभाग सी या डी श्रेणी में हैं वे सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के निराकरण में प्रगति लाएं तथा ए श्रेणी में आने के लिए कार्य करें। लगातार सी एवं डी श्रेणी में आने वाले विभागों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई के भी उन्होंने निर्देश दिए। जिन विभागों में शिकायतों की संख्या कम है, वहां शत-प्रतिशत निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में सीईओ जिला पंचायत शिवम प्रजापति, अपर कलेक्टर सरोधन सिंह, श्रीमती मिनिषा पाण्डेय, एसडीएम श्रीमती अमृता गर्ग, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती अन्तोनिआ एक्का, सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

45 लाख वोटर फिर भी प्रतिनिधित्व शून्य धनगर समाज ने कांग्रेस-भाजपा के नेताओं को सौंपा ज्ञापन

शहडोल। मध्य प्रदेश की सियासत में वोट बैंक बनकर रह गए धनगर समाज का सब्र अब पूरी तरह टूट चुका है। हर बार वोट लेकर दरी बिछवाने वाली भारतीय जनता पार्टी एवं कांग्रेस पार्टी को समाज ने दोटूक शब्दों में चेतावनी दे दी है। ऑल इंडिया धनगर समाज महासंघ ने जयसिंहनगर विधायक मनीषा सिंह एवं कांग्रेस जिलाध्यक्ष अजय अवस्थी को ज्ञापन सौंपकर सीधे तौर पर अपनी राजनीतिक हिस्सेदारी मांग ली है। समाज का साफ कहना है कि अब केवल दरी उठाने और झंडे ढोने से काम नहीं चलेगा, सीधे विधानसभा की टिकट चाहिए।

महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष अनिल धनगर के नेतृत्व में सौंपे गए इस ज्ञापन में कांग्रेस के उपेक्षापूर्ण रवैये की धज्जियां उड़ाई गई हैं। नेताओं ने कहा कि मध्य प्रदेश में धनगर समाज की आबादी करीब 70 लाख है, जिसमें से 45 लाख से ज्यादा सिर्फ वोटर हैं। राज्य गठन के बाद से आज तक कांग्रेस ने समाज के किसी योग्य व्यक्ति को विधानसभा का टिकट तक नहीं दिया। यह राजनीतिक उपेक्षा की पराकाष्ठा है। समाज ने साफ किया कि मंदसौर, नीमच, आगरमालवा, इंदौर, खंडवा, खरगौन, धार और शहडोल सहित प्रदेश के कई जिलों में उनकी भारी तादाद है। ऐसे में उनके वोटों पर राज करने वाली कांग्रेस को अब जवाब देना होगा।

महासंघ ने एक सुर में नारा दिया है कि हम सत्ता विरोधी नहीं, लेकिन उपेक्षा विरोधी हैं। समाज ने खुला अल्टीमेटम दिया है कि वर्ष 2027 के नगरीय निकाय चुनाव में पार्षद की टिकटें और आगामी वर्ष 2028 के विधानसभा चुनाव में समाज के योग्य नेताओं को दमदार प्रतिनिधित्व दिया जाए। सियासी गलियारों में हडक़ंप तब और बढ़ गया जब इस अल्टीमेटम की प्रतिलिपि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के साथ-साथ कांग्रेस के शीर्ष नेताओं को भी भेज दी गई। ज्ञापन सौंपने वालों में शहडोल जिला अध्यक्ष हीरालाल पाल, संभाग अध्यक्ष कमलेन्द्र पाल समेत समाज के कई आक्रोशित पदाधिकारी शामिल रहे।

विश्वविद्यालय में छात्र-छात्राओं के लिए स्वास्थ्य जागरूकता एवं परामर्श कार्यक्रम आयोजित

शहडोल। राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत पंडित शंभूनाथ शुक्ल विश्वविद्यालय, शहडोल में छात्र-छात्राओं के लिए स्वास्थ्य जागरूकता एवं परामर्श कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिला चिकित्सालय की किशोर स्वास्थ्य परामर्शदाता द्वारा विद्यार्थियों को किशोर स्वास्थ्य एवं संतुलित जीवनशैली से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम के दौरान संतुलित आहार एवं पोषण, एनीमिया के कारण एवं बचाव, व्यक्तिगत स्वच्छता, किशोरावस्था में होने वाले शारीरिक एवं मानसिक परिवर्तन, मासिक धर्म स्वच्छता, यौन एवं प्रजनन स्वास्थ्य, यौन संचारित संक्रमण, एचआईवी/एड्स, मानसिक तनाव प्रबंधन तथा विवाह की वैधानिक आयु सहित विभिन्न स्वास्थ्य संबंधी विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए उन्हें स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के प्राध्यापकगण एवं छात्र-छात्राओं की सक्रिय सहभागिता रही। जिला प्रशासन ने युवाओं से स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने तथा नियमित रूप से स्वास्थ्य संबंधी परामर्श एवं सेवाओं का लाभ उठाने का आह्वान किया।

विद्यासागर स्कूल में सेफ क्लिक 2.0 से प्रेरित साइबर अवेयरनेस प्रोग्राम का आयोजन

ग्राम उधिया के शासकीय विद्यालय में शैक्षणिक सामग्री वितरित कर किया गया मार्गदर्शन

युवाओं ने पेश की सामाजिक जिम्मेदारी की मिसाल

शहडोल। विद्यार्थियों को साइबर अपराधों के प्रति जागरूक करने एवं ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करने की दिशा में मेहुल श्रीवास्तव एवं उनकी टीम द्वारा विशेष पहल की गई। मध्य प्रदेश शासन एवं मध्य प्रदेश पुलिस के सेफ क्लिक 2.0 अभियान से प्रेरित इस पहल के अंतर्गत विद्यासागर स्कूल बुढ़ार में साइबर अवेयरनेस प्रोग्राम आयोजित किया गया, जिसके पश्चात ग्राम उधिया के शासकीय विद्यालय में विद्यार्थियों को शैक्षणिक सामग्री वितरित कर उनके भविष्य एवं शिक्षा को लेकर मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

टीम हेड एवं अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद महाकौशल प्रांत के प्रांत मंत्री मेहुल श्रीवास्तव के नेतृत्व में विद्यासागर स्कूल में आयोजित साइबर अवेयरनेस प्रोग्राम के दौरान विद्यार्थियों को ऑनलाइन फ्रॉड, फर्जी लिंक, ओटीपी स्कैम, सोशल मीडिया सुरक्षा, साइबर बुलिंग, व्यक्तिगत जानकारी की गोपनीयता एवं सुरक्षित इंटरनेट उपयोग जैसे महत्वपूर्ण विषयों की जानकारी दी गई। प्रेजेंटेशन एवं संवाद के माध्यम से साइबर सुरक्षा जैसे गंभीर विषय को विद्यार्थियों के समक्ष सरल और व्यावहारिक रूप में प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की और डिजिटल दुनिया में सुरक्षित रहने के महत्वपूर्ण उपायों को समझा। साइबर अवेयरनेस प्रेजेंटेशन में मेहुल श्रीवास्तव के साथ मानसी पाण्डेय, पूजा तिवारी, ओम तिवारी एवं कृतिका तिवारी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम में मध्य प्रदेश पुलिस के सब-इंस्पेक्टर सहित विभिन्न पदाधिकारी भी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर शिवम तिवारी, सागर सिंह परस्ते, संस्कार द्विवेदी, अभिराज सिंह चौहान, संबलदास, आशीष साहू, आस्था द्विवेदी, श्रद्धा द्विवेदी एवं प्रियंका सोनी सहित कोर टीम के सदस्यों ने सहभागिता की। अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद के शहडोल जिलाध्यक्ष विजय बहरानी, सदस्य गगन वर्मा सहित वरिष्ठ पदाधिकारी भी उपस्थित रहे। विद्यासागर स्कूल के प्राचार्य सुदेश कुमार जैन एवं विद्यालय परिवार का कार्यक्रम के सफल आयोजन में विशेष सहयोग रहा। साइबर जागरूकता कार्यक्रम के पश्चात टीम ग्राम उधिया पहुंची, जहां शासकीय विद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों को पुस्तकें एवं अन्य उपयोगी शैक्षणिक सामग्री वितरित की गईं। इस दौरान विद्यार्थियों से संवाद कर उन्हें शिक्षा के महत्व, लक्ष्य निर्धारण, आत्मविश्वास एवं बेहतर भविष्य के निर्माण के लिए निरंतर आगे बढऩे हेतु प्रेरित किया गया।ग्राम उधिया में आयोजित कार्यक्रम का प्रमुख संयोजन जिला उपाध्यक्ष संस्कार द्विवेदी द्वारा किया गया। विद्यालय के प्रधानाध्यापक सुरेश प्रसाद बैगा के सहयोग एवं मार्गदर्शन में कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस अवसर पर मेहुल श्रीवास्तव ने कहा कि आज की युवा पीढ़ी को तकनीक के सुरक्षित उपयोग के प्रति जागरूक करने के साथ शिक्षा एवं सकारात्मक मार्गदर्शन से जोडऩा आवश्यक है। साइबर जागरूकता और शैक्षणिक सहयोग के माध्यम से एक जागरूक, सुरक्षित एवं सशक्त समाज के निर्माण की दिशा में सार्थक प्रयास किए जा सकते हैं।

उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश शासन एवं मध्य प्रदेश पुलिस के सेफ क्लिक 2.0 अभियान से प्रेरित यह जागरूकता पहल भविष्य में भी जारी रहेगी। टीम द्वारा विद्यालयों, विद्यार्थियों एवं ग्रामीण क्षेत्रों के बीच साइबर सुरक्षा, शिक्षा और सामाजिक जागरूकता से जुड़े कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जाएंगे।

खबर संक्षेप

सीएमएचओ ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र खन्नौधी का किया निरीक्षण

शहडोल। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश मिश्रा ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र खन्नौधी का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्वास्थ्य केंद्र में उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं, दवा वितरण, ओपीडी व्यवस्था, साफ-सफाई, अभिलेखों के संधारण तथा मरीजों को प्रदान की जा रही सुविधाओं का जायजा लिया। सीएमएचओ डॉ. मिश्रा ने स्वास्थ्य केंद्र के स्टॉफ को निर्देश दिए कि मरीजों को समय पर गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराया जाए तथा शासन की स्वास्थ्य योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने परिसर को स्वच्छता बनाए रखने, आवश्यक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने एवं सभी व्यवस्थाओं को बेहतर बनाए रखने के निर्देश भी दिए।

पुलिस अधीक्षक ने पदोन्नत रक्षित निरीक्षकों को स्टार लगाकर दी शुभकामनाएं

शहडोल। मध्यप्रदेश शासन के गृह मंत्रालय द्वारा जारी आदेश के अनुसार पुलिस अधीक्षक संजय कुमार अग्रवाल ने सूबेदार श्रीमती प्रियंका शर्मा, राजमति परस्ते एवं बृजलाल रोकड़े को रक्षित निरीक्षक पद पर पदोन्नत होने पर प्रतीक स्वरूप स्टार लगाकर सम्मानित किया। पुलिस अधीक्षक ने पदोन्नत अधिकारियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि अपने दायित्वों का निर्वहन ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा एवं सेवाभाव के साथ करते हुए पुलिस विभाग की गरिमा को और अधिक ऊंचाइयों तक पहुंचाएं। साथ ही अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक दीवान एवं डीएसपी श्रीमती शिवाली चतुर्वेदी ने भी पदोन्नत रक्षित निरीक्षकों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

आबकारी अधिकारी ने पदोन्नत हुए उपनिरीक्षक एवं प्रधान आरक्षकों को दी शुभकामनाएं

शहडोल। मध्यप्रदेश शासन के आबकारी विभागा द्वारा जारी आदेश के अनुसार जिला आबकारी अधिकारी सुश्री सावित्री भगत ने आरक्षक सहेज सिंह, गोपाल सिंह, श्रीमती शोभारानी, गजेंद्र सिंह को प्रधान आरक्षक के पद पर पदोन्नत एवं प्रधान आरक्षक से उप निरीक्षक आबकारी के पद पर पदोन्नत हुए प्रकाश मरावी को प्रतीक स्वरूप स्टार एवं फीता लगाकर उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर सहायक जिला आबकारी हनुमान सिंह, आबकारी उप निरीक्षक रजनीश कुमार तिवारी सहित अन्य लोगो ने भी पदोन्नत हुए प्रधान आरक्षको एवं उप निरीक्षक को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

जिले में अब तक 177.2 मिमी औसत वर्षा दर्ज

शहडोल। तहसीलदार, भू-संसाधन प्रबंधन शहडोल ने जानकारी दी है कि 12 जुलाई 2026 को जिले के वर्षामापी केंद्र ब्यौहारी, जयसिंहनगर, गोहपारू, सोहागपुर, बुढार, जैतपुर एवं चन्नौड़ी में 0.0 मिमी वर्षा दर्ज की गई। इस प्रकार जिले में आज 0.0 मिमी औसत वर्षा दर्ज हुई। जिले में 1 जून 2026 से 12 जुलाई 2026 तक 177.2 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई है। विभिन्न वर्षामापी केंद्रों में अब तक दर्ज वर्षा इस प्रकार है - ब्यौहारी में 157.0 मिमी, जयसिंहनगर में 120.0 मिमी, गोहपारू में 203.0 मिमी, सोहागपुर में 172.0 मिमी, बुढार में 248.0 मिमी, जैतपुर में 186.0 मिमी तथा चन्नौड़ी में 155.0 मिमी वर्षा दर्ज की गई है।

खबर संक्षेप

आहरण संवितरण अधिकारियों का एसओपी/एफएक्यू के संबंधी प्रशिक्षण का आयोजन

उमरिया। आईएफएमआईएस केयर्स थीम अंतर्गत आईएफएमआईएस में लाइव समस्त मॉड्यूल में समय-समय पर आने वाली तकनीकी समस्याओ, मॉड्यूल से संबंधित जारी की गई एसओपी/एफएक्यू का जिले के आहरण एवं सवितरण अधिकारियों का प्रशिक्षण प्रत्येक माह के तृतीय गुरुवार को जिला ई-दक्ष केन्द्र में दिया जाएगा। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने समस्त आहरण एवं संवितरण अधिकारियों को निर्देशित किया है कि अपने स्टाफ जो कोषालय में देयक लगाने का कार्य करते हैं, के साथ प्रत्येक माह के तृतीय गुरुवार को ई-दक्ष केन्द्र जिला पंचायत उमरिया में संलग्न सूची अनुसार प्रशिक्षण प्राप्त करना सुनिश्चित करें।

धारा 138 एनआई एक्ट से संबंधित बैठक आयोजित

अनूपपुर। 13 जुलाई को प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अनूपपुर श्रीमती माया विश्वलाल की अध्यक्षता में न्यायालय परिसर में परक्राम्य लिखत अधिनियम, 1881 की धारा 138 से संबंधित प्रकरणों के प्रभावी एवं शीघ्र निराकरण के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। म०प्र० राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार 18 जुलाई को परक्राम्य लिखत अधिनियम, 1881 की धारा 138 के संबंध में ''विशेष लोक अदालत'' का आयोजन किया जाना है। इस हेतु आयोजित प्री-सिटिंग में जिले के विभिन्न बैंकों भारतीय स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, यूको बैंक, म०प्र० ग्रामीण बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, केनरा बैंक, बैंक ऑफ इंडिया व श्रीराम ट्रांसपोर्ट के शाखा प्रबंधक, अधिवक्तागण तथा संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान धारा 138 से संबंधित प्रकरणों के समयबद्ध निस्तारण, पक्षकारों के मध्य आपसी समझौते को प्रोत्साहित करने, आवश्यक अभिलेख समय पर उपलब्ध कराने न्यायालय में लंबित एवं प्री-लिटिगेशन प्रकरणों के अधिक से अधिक मामलों के निराकरण पर विस्तार से चर्चा की गई। उक्त बैठक में श्रीमती माया विश्वलाल प्रधान जिला न्यायाधीश द्वारा सभी बैंक प्रबंधकों एवं अधिवक्ताओं से समन्वय स्थापित कर न्यायिक प्रक्रिया को सरल, त्वरित एवं प्रभावी बनाने में सहयोग करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि आपसी सहमति से मामलों के निराकरण से पक्षकारों का समय एवं धन दोनों की बचत होती है तथा न्यायालयों में लंबित प्रकरणों का बोझ भी कम होता है। उक्त बैठक में नरेन्द्र पटेल, जिला न्यायाधीश, सचिव रावेन्द्र कुमार सोनी, बृजेश पटेल, जिला विधिक सहायता अधिकारी, अधिवक्ता बृजेन्द्र सोनी सहित बैंक के शाखा प्रबंधक एवं उनके अधिवक्तागण उपस्थित रहें।

आज से जिले में संचालित होगा दस्तक अभियान

उमरिया। पांच वर्ष तक की आयु के बच्चों के स्वास्थ्य की नियमित जांच , उपचार, विटामिन व आयरन की गोलियों की उपलब्धता कराने के साथ ही ओआरएस व जिंक उपलब्ध कराने के उददेश्य से 14 जुलाई से 31 अगस्त तक दस्तक अभियान संचालित किया जाएगा। दस्तक अभियान के सफल संचालन के उददेश्य से प्रभारी कलेक्टर अभय सिंह की अध्यक्षता में विभागीय अधिकारियों की बैठक कलेक्टर सभागार में संपन्न हुई। इस अवसर पर श्री सिंह ने कहा कि सभी विभागों के समन्वित सहयोग से ही अभियान को सफलता मिलेगी । स्वस्थ्य बच्चे , स्वस्थ्य समाज का निर्माण करते है , इसलिए आवश्यक है कि अभियान के तहत पांच वर्ष तक की आयु के बच्चों को इससे लाभांवित किया जाए । उनके परिजनों को डायरिया से बचाव के लिए पानी के शुध्दीकरण के संबंध मे भी जागरूक किए जाने की आवश्यकता हैं। उन्होने निर्देश दिए कि स्वास्थ्य व महिला बाल विकास विभाग आपस में समन्वय कर दस्तक अभियान के सफल क्रियान्वयन में अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करें ।

बैठक में बताया गया कि अभियान का उददेश्य शिशु एवं बाल मृत्यु प्रकरणों में कमी लाना, बच्चों में दस्त रोग से होन वाले मृत्यु प्रकरणों की रोकथाम करना, अन्य बाल्यकालीन बीमारियों की रोकथाम करना तथा समुदाय में घर-घर भ्रमण कर संवेदनशील बच्चों की सक्रिय स्क्रीनिंग करना तथा स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की प्रारंभिक पहचान कर आवश्यक सेवायें सुनिश्चित करना है। अभियान के दौरान 5 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के परिवारों में प्रति बच्चे के मान से 2 ओ.आर.एस. पैकेट तथा 14 जिंक टैबलेट की प्रदायगी, 9 माह से 5 वर्ष आयु वाले समस्त बच्चों को आयु अनुरूप विटामिन ए सीरप का अनुपूरण, डीएसस टूल द्वारा बच्चों में गंभीर कुपोषण की पहचान एवं आवश्कतानुसार रेफरल, 6 माह से 5 वर्ष आयुवर्ग के समस्त बच्चों के परिवारों को आई.एफ.ए. सीरप की प्रदायगी एवं उपयोग हेतु परामर्श, डीएसस टूल द्वारा दस्त रोग, निर्जलीकरण तथा अन्य बाल्यकालीन बीमारियों की पहचान तदानुसार उपचार, रेफरल तथा स्टॉप डायरिया अभियान की गतिविधियों का संचालन किया जाएगा। इस दौरान ए.एन.एम., आशा एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के संयुक्त दल द्वारा 5 वर्ष तक के बच्चों के घर-घर जाकर अभियान में निहित सेवाएं दी जायेंगी। दस्तक दल का नेतृत्व ए.एन एम. द्वारा किया जायेगा आशा एवं आंगनवाडी कार्यकर्ता सहयोगी की भूमिका में होंगी। इस अवसर पर अपर कलेक्टर प्रमोद कुमार सेन गुप्ता, संयुक्त कलेक्टर रीता डेहरिया, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आलोक कुमार शर्मा डिप्टी कलेक्टर कमलेश नीरज, प्रत्युष श्रीवास्तव, जिला टीकाकरण अधिकारी डा ऋचा गुप्ता, डा मुकुल तिवारी सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

समय सीमा के प्रकरणों का नियत तिथि तक निराकरण किया जाना सुनिश्चित करें : प्रभारी कलेक्टर

उमरिया। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत एवं प्रभारी कलेक्टर अभय सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में समयसीमा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सीएम हेल्पलाइन सहित विभिन्न विभागों के लंबित प्रकरणों की समीक्षा कर अधिकारियों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि सीएम हेल्पलाइन सहित समय सीमा के प्रकरणों का नियत तिथि तक निराकरण किया जाना सुनिश्चित करें । मुख्यमंत्री कार्यालय एवं कमिश्नर कार्यालय शहडोल से प्राप्त शिकायतों का तत्परता पूर्वक निराकरण कराएं । विभागीय अधिकारी इस बात का विशेष ध्यान रखें कि सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों के निराकरण में कोई भी विभाग डी श्रेणी में न रहें । उन्होने निर्देश दिए कि चालू सप्ताह में सभी शिकायतों का तत्परता से निराकरण कराएं। प्रभारी कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि फोर्स क्लोज संबंधी शिकायतें आगामी दो दिन में प्रस्तुत करें ताकि उन पर समुचित कार्यवाही की जाए । बैठक में प्रभारी कलेक्टर ने मुख्यमंत्री निवास, आयुक्त शहडोल संभाग कार्यालय से प्राप्त आवेदनों, जनसुनवाई, न्यायालयीन प्रकरणों, मानवाधिकार संबंधी पत्रों तथा फैक्ट न्यूज मामलों की विभागवार समीक्षा की। इस अवसर पर अपर कलेक्टर प्रमोद कुमार सेन गुप्ता, संयुक्त कलेक्टर रीता डेहरिया, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आलोक कुमार शर्मा, डिप्टी कलेक्टर कमलेश नीरज, प्रत्युष श्रीवास्तव सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

ग्राम रक्शा में किसान संगोष्ठी एवं बीज वितरण कार्यक्रम संपन्न

किसानों को कम पानी वाली फसलों की खेती अपनाने की दी गई सलाह

उमरिया। कृषि विभाग द्वारा जिले के ग्राम रक्शा में किसान संगोष्ठी एवं बीज वितरण कार्यक्रम का आयोजन विधायक मानपुर सुश्री मीना सिंह के मुख्य आतिथ्य में किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक मीना सिंह ने कहा कि किसानों की आय बढ़ाने और खेती को अधिक लाभकारी बनाने के लिए शासन लगातार विभिन्न योजनाओं के माध्यम से सहायता उपलब्ध करा रही है । उन्होंने किसानों से कृषि विभाग द्वारा संचालित योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लेने तथा आधुनिक एवं वैज्ञानिक खेती की तकनीकों को अपनाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि गुणवत्तायुक्त बीजों के उपयोग से उत्पादन में वृद्धि होती है, जिससे किसानों की आर्थिक स्थिति भी मजबूत होती है।

उप संचालक कृषि संग्राम सिंह मरावी ने किसानों को वर्तमान मौसम की परिस्थितियों और जिले में सामान्य से कम वर्षा की स्थिति को देखते हुए कम पानी की आवश्यकता वाली फसलों की खेती करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि मौसम की अनिश्चितता को ध्यान में रखते जल संरक्षण के उपाय अपनाकर उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग करें। साथ ही उन्होंने किसानों को उन्नत कृषि तकनीकों, संतुलित उर्वरक उपयोग, बीज उपचार और फसल प्रबंधन की जानकारी भी दी। कार्यक्रम के दौरान कृषि विभाग द्वारा किसानों को विभिन्न फसलों के उन्नत एवं प्रमाणित बीजों का वितरण किया गया, ताकि किसान समय पर बुवाई कर बेहतर उत्पादन प्राप्त कर सकें। कार्यक्रम में कृषि विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रीय किसान उपस्थित रहे। किसान संगोष्ठी के माध्यम से किसानों को शासन की कृषि हितैषी योजनाओं, आधुनिक खेती की तकनीकों तथा मौसम के अनुरूप फसल प्रबंधन की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

जूनियर ब्यूटी प्रेक्टिषनर (लघु उद्यमी) प्रशिक्षण संपन्न

उमरिया। भारतीय स्टेट बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन जिला पंचायत अंतर्गत 35 दिवसीय जूनियर ब्यूटी प्रेक्टिशनर (लघु उद्यमी)प्रशिक्षण का समापन समारोह मोहन डावर (न्यायधीश -उमरिया)), अभिषेक आनंद पाण्डेय (एस.बी.आई. मुख्य प्रबंधक-मुख्य शाखा उमरिया), गौतम कुमार सिंह (एलडीएम), (आरसेटी . निर्देषक) डा. तरूण कुमार सिंह, डा. अनिल एवं प्रषिक्षण प्रषिक्षक नीलम रजक एवं नसीम बानों की उपस्थिती में संपन्न हुआ। प्रशिक्षण में 25 महिला प्रशिक्षणार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

गौतम कुमार सिंह (अग्रणी बैंक प्रबंधक) द्वारा सभी प्रशिक्षणार्थियों को सफलता पूर्वक प्रशिक्षण प्राप्त करने की बधाई दी एवं आगे सतत रूप से कार्य करने की बात कही। आरसेटी निर्देशक डॉ. तरूण कुमार सिंह ने सभी प्रषिक्षणार्थियों का उत्साह वर्धन करते हुये कहा कि आपने जो यह 35 दिवसीय जूनियर ब्यूटी प्रेक्टिशनर (लघु उद्यमी) प्रशिक्षण प्राप्त किया है एवं प्रषिक्षण के दौरान जो भी गुण सीखा है, उसे आप को व्यवसायिक रूप से उपयोग में लाना है जिससे आप को ज्यादा से ज्यादा आर्थिक लाभ हो सके और आप को यहां से जाने के बाद खूब अभ्यास व मेहनत करना है क्योंकि इस क्षेत्र में अपार संभावनाएं है एवं आप इस क्षेत्र में अपना अच्छा करियर बना सकते है।

अभिषेक आनंद पाण्डेय (एस.बी.आई. मुख्य प्रबंधक- मुख्य शाखा उमरिया) द्वारा सभी प्रशिक्षणार्थियों का उत्साह वर्धन करते हुये सभी प्रषिक्षणार्थियों को अपनी शुभकामनायें दी। प्रषिक्षक नीलम रजक द्वारा सभी प्रशिक्षणार्थियों को सतत रूप पूरी मेहनत, लगन व पूरी इमानदारी के साथ कार्य करने हेतु कहा एवं अपनी शुभकामनाए दी। अंत में सभी प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण प्रमाण पत्र वितरण कर कार्यक्रम का समापन किया गया एवं निर्देशक द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों का आभार व्यक्त किया गया।

प्रभारी कलेक्टर एवं जिला पंचायत सीईओ ने निर्माणाधीन सामुदायिक भवन का किया निरीक्षण

उमरिया। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत एव प्रभारी कलेक्टर अभय सिंह ने ग्राम पंचायत कछरवार में फूलमती मंदिर के समीप मुख्यमंत्री अधोसरंचना से 25 लाख रूपये की लागत से निर्माणाधीन सामुदायिक भवन का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने भवन के निर्माण कार्य की प्रगति, गुणवत्ता तथा उपलब्ध कराई जा रही मूलभूत सुविधाओं का गहनता से अवलोकन किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से निर्माण कार्य की प्रगति की जानकारी प्राप्त करते हुए निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिए। अभय सिंह ने निर्माण एजेंसी एवं संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए तथा निर्धारित मानकों के अनुरूप उच्च गुणवत्ता वाली सामग्री का उपयोग सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि सामुदायिक भवन ग्रामीणों की सामाजिक, सांस्कृतिक एवं सार्वजनिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र होगा, इसलिए इसका निर्माण मजबूत, सुरक्षित एवं उपयोगी स्वरूप में किया जाना आवश्यक है। उन्होंने परिसर की स्वच्छता, जल निकासी व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं पर भी विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उपयंत्री अमित यादव एवं सरपंच , सचिव उपस्थित रहे। सभी को शासन के निर्देशानुसार कार्यों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक निर्देश दिए गए।

मौसमी बीमारियों का बढ़ा प्रकोप, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मरीजों की लगी लंबी कतारें

कोतमा। मानसून के दौरान मौसमी बीमारियों का असर अब स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोतमा में पिछले कुछ दिनों से खांसी, जुकाम, बुखार, उल्टी और दस्त से पीड़ति मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। स्थिति यह है कि मरीजों को चिकित्सक से परामर्श लेने के लिए लंबी कतारों में घंटों इंतजार करना पड़ रहा है। वहीं दवा वितरण केंद्र पर भी सुबह से ही भारी भीड़ लगी रहती है। अस्पताल प्रबंधन के अनुसार इन दिनों प्रतिदिन ओपीडी में लगभग 300 से 400 मरीजों का पंजीयन हो रहा है। अधिकांश मरीज मौसमी संक्रमण, वायरल बुखार तथा उल्टी-दस्त जैसी समस्याओं से पीड़ति होकर उपचार के लिए पहुंच रहे हैं। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में चिकित्सकों और विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी लंबे समय से बनी हुई है। सीमित संसाधनों और कम स्टाफ के भरोसे स्वास्थ्य सेवाएं संचालित की जा रही हैं। गंभीर मरीजों को प्राथमिक उपचार के बाद जिला चिकित्सालय रेफर करना पड़ रहा है, जिससे मरीजों और उनके परिजनों को अतिरिक्त परेशानी का सामना करना पड़ता है। सोमवार को अस्पताल का निरीक्षण करने पर ओपीडी के बाहर मरीजों की लंबी कतारें दिखाई दीं। बड़ी संख्या में लोग अपनी बारी का इंतजार कर रहे थे। निरीक्षण के दौरान पुरुष चिकित्सक के कक्ष में मरीजों को डॉक्टर नहीं मिले। जानकारी लेने पर बताया गया कि उस समय डॉ. अरविंद छाबरिया की ड्यूटी थी, लेकिन दोपहर लगभग 12 बजे तक उनका कक्ष खाली था, जिससे मरीजों को इंतजार करना पड़ा। वहीं महिला चिकित्सक डॉ. संगीता प्रजापति के कक्ष के बाहर मरीजों की लंबी लाइन लगी रही। उन्होंने बताया कि इन दिनों सबसे अधिक मरीज बुखार, सर्दी, खांसी, वायरल संक्रमण तथा उल्टी-दस्त की शिकायत लेकर आ रहे हैं। उन्होंने दोपहर 12 बजे तक करीब 110 मरीजों का उपचार कर लिया था, इसके बावजूद उनके कक्ष के बाहर मरीजों की लंबी कतार बनी हुई थी।

राजनगर-झिरियाटोला मार्ग के साइड शोल्डर में बने गहरे गड्ढे

राजनगर। नगर परिषद बनगवां (राजनगर) क्षेत्र में न्यू राजनगर थाना से झिरियाटोला, पतेराटोला और कुलड़यि नाला होते हुए राष्ट्रीय राजमार्ग-43 को जोड़ने वाला प्रमुख सड़क मार्ग इन दिनों बदहाल स्थिति में पहुंच गया है। सड़क के दोनों ओर बने साइड शोल्डर जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढों में तब्दील हो चुके हैं, जिससे इस मार्ग पर आवागमन करने वाले वाहन चालकों के सामने हर समय दुर्घटना का खतरा बना रहता है। जानकारी के अनुसार इस सड़क का निर्माण लगभग 30 वर्ष पूर्व साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) के हसदेव क्षेत्र द्वारा कराया गया था। लंबे समय से आवश्यक मरम्मत और रखरखाव नहीं होने के कारण सड़क के किनारे बने शोल्डर पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए हैं। कई स्थानों पर मिट्टी बह जाने से गहरे गड्ढे बन गए हैं, जो विशेष रूप से भारी वाहनों और दोपहिया चालकों के लिए जोखिम पैदा कर रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि दिन के समय तो किसी तरह वाहन चालक सावधानी बरतकर निकल जाते हैं, लेकिन रात के समय सड़क और शोल्डर के बीच का अंतर स्पष्ट दिखाई नहीं देता। ऐसे में सामने से आने वाले वाहनों को साइड देने या ओवरटेक करने के दौरान वाहन का पहिया गड्ढे में उतर जाता है, जिससे वाहन असंतुलित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो जाते हैं। कई बार भारी वाहनों के पहिए भी शोल्डर में धंस जाने से वाहन क्षतिग्रस्त हो जाते हैं और जाम जैसी स्थिति भी बन जाती है। क्षेत्र के नागरिकों और नियमित रूप से इस मार्ग से गुजरने वाले वाहन चालकों ने बताया कि सड़क किनारे की मिट्टी लंबे समय से कटती जा रही है, जिससे शोल्डर पूरी तरह कमजोर हो चुके हैं।

कल्याणिका महाविद्यालय में नए शैक्षणिक सत्र का आत्मीय शुभारंभ

विद्यार्थियों ने लिया आदर्श शिक्षक बनने का संकल्प

अमरकंटक। कल्याणिका महाविद्यालय (बी.एड. कॉलेज) में सोमवार को नए शैक्षणिक सत्र 2026-27 का शुभारंभ उत्साह, आत्मीयता और सकारात्मक वातावरण के बीच हुआ। प्रथम दिवस पर आयोजित परिचय एवं विचार-विमर्श कार्यक्रम में नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं का महाविद्यालय परिवार से परिचय कराया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने अपने विचार साझा करते हुए एक आदर्श, संस्कारित एवं उत्तरदायी शिक्षक बनने का संकल्प व्यक्त किया। कार्यक्रम का शुभारंभ स्वागत संबोधन के साथ हुआ। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आरके कुशवाहा, उप-प्राचार्य बृजेश कुमार मिश्रा तथा समस्त प्राध्यापकगण ने विद्यार्थियों का पुष्पगुच्छ एवं शुभकामनाओं के साथ स्वागत किया। इस अवसर पर डॉ. आरएस कुशवाहा, दीपक पंडा, अजय सिंह, सुश्री नीशू सिन्हा एवं श्रीमती ममता पारस सहित महाविद्यालय का समस्त शिक्षकीय स्टाफ उपस्थित रहा। परिचय सत्र के दौरान छात्र-छात्राओं ने अपने अनुभव और अपेक्षाएं साझा कीं। छात्रा अमृता ने कहा कि कल्याणिका महाविद्यालय में बी.एड. में प्रवेश पाकर उन्हें अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। उन्होंने कहा कि यहां भारतीय संस्कृति, नैतिक मूल्यों एवं संस्कारों के साथ-साथ एक आदर्श शिक्षक बनने के लिए आवश्यक व्यावहारिक ज्ञान भी अनुभवी प्राध्यापकों के मार्गदर्शन में प्राप्त हो रहा है, जो उनके व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। अपने प्रेरक उद्बोधन में प्राचार्य डॉ आरके कुशवाहा ने कहा कि आज के तकनीकी युग में केवल पुस्तकीय ज्ञान पर्याप्त नहीं है। एक सफल शिक्षक बनने के लिए भारतीय संस्कृति, नैतिक मूल्यों, सामाजिक उत्तरदायित्व और मानवीय संवेदनाओं की गहरी समझ भी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि कल्याणिका महाविद्यालय विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं व्यक्तित्व विकास संबंधी गतिविधियों का आयोजन करता है, ताकि यहां से निकलने वाले विद्यार्थी ज्ञानवान होने के साथ-साथ चरित्रवान और संस्कारित नागरिक भी बन सकें। उप-प्राचार्य बृजेश कुमार मिश्रा ने कहा कि शिक्षक केवल पाठ्यक्रम का अध्यापक नहीं, बल्कि समाज का मार्गदर्शक और राष्ट्र निर्माण का महत्वपूर्ण आधार होता है। उन्होंने विद्यार्थियों से ईमानदारी, अनुशासन, बड़ों के प्रति सम्मान, सेवा-भाव, अहिंसा एवं नैतिक मूल्यों को अपने जीवन में अपनाने का आग्रह किया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि महाविद्यालय के विद्यार्थी भविष्य में उत्कृष्ट शिक्षक बनकर समाज में सकारात्मक परिवर्तन का माध्यम बनेंगे। कार्यक्रम में श्री कल्याण सेवा आश्रम की ओर से उपस्थित अतिथि राजेंद्र बिष्ट ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि एक श्रेष्ठ शिक्षक ही समाज और राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य का निर्माता होता है। उन्होंने कहा कि बी.एड. का अध्ययन केवल डिग्री प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि अपनी प्रतिभा को पहचानने, व्यक्तित्व का विकास करने और समाज के प्रति उत्तरदायित्व निभाने की तैयारी भी है। उन्होंने विद्यार्थियों से ज्ञान, अनुशासन और सेवा की भावना को जीवन का मूल मंत्र बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के समापन पर पूरे परिसर में उत्साह, आत्मीयता और सकारात्मक ऊर्जा का वातावरण दिखाई दिया। नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं ने महाविद्यालय की समृद्ध शैक्षणिक परंपरा, अनुशासित वातावरण और सांस्कृतिक मूल्यों की सराहना करते हुए भविष्य में आदर्श शिक्षक बनकर समाज और राष्ट्र की सेवा करने का संकल्प दोहराया।

खबर संक्षेप

नाबालिग से दुष्कर्म के दो आरोपित गिरफ्तार

कटनी। स्लीमनाबाद पुलिस ने नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, 9 जुलाई 2026 को पीड़िता ने थाना स्लीमनाबाद में आवेदन देकर ग्राम धनगवां निवासी जीतू झारिया पर हाथ पकड़ने तथा विष्णु कुचबंदिया पर जबरन दुष्कर्म करने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया था। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की।विवेचना के दौरान पुलिस ने आरोपी विष्णु कुचबंदिया (23 वर्ष) पिता राजकुमार कुचबंदिया एवं जितेंद्र उर्फ जीतू झारिया (25 वर्ष) पिता दशरथ झारिया, दोनों निवासी ग्राम धनगवां को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी विष्णु कुचबंदिया का चिकित्सीय परीक्षण कराने के बाद दोनों आरोपियों को विशेष न्यायालय कटनी में पेश किया गया। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी सुदेश कुमार, उप निरीक्षक सिद्धार्थ राय, सहायक उप निरीक्षक मानकी धुर्वे, प्रधान आरक्षक प्रेम पटेल, लखन पटेल, आरक्षक मनीष पटेल, महिला आरक्षक नेहा शर्मा, आरक्षक रजनीश टेकाम और आशीष पटेल की भूमिका रही।

युवक से मारपीट

कटनी। रंगनाथ नगर थाना अंतर्गत फारेस्ट वार्ड में देर रात करीब 1:00 बजे सुमित भारती 24 वर्ष से आरोपी अतुल भारती और लालू भारती ने शराब पीने के लिए पैसों की मांग की। पैसे न देने पर आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए सुमित पर चाकू और लात-घूंसों से हमला कर दिया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की धारा 119(1) (उगाही के लिए चोट पहुंचाना) और 118(1) के तहत मामला दर्ज किया है।

हादसों में कई घायल

कटनी। एन.के.जे. थाना क्षेत्र के सुर्की टैंक मोड़ पर एक ट्रक क्रमांक HR 55BC 2523 के चालक ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए राहगीरों को टक्कर मार दी। इस हादसे में देवा बंजारा, लीला बाई, कालू बंजारा और हेमी बाई गंभीर रूप से घायल हो गए। इसी तरह ढीमरखेड़ा के ग्राम सिलौडी में वाहन क्रमांक MP 20 NG 2103 के चालक ने तेजी और लापरवाही से वाहन चलाते हुए राजेन्द्र राय 53 वर्ष को टक्कर मारकर घायल कर दिया। दोनों मामलों में पुलिस ने वाहन चालकों के खिलाफ अपराध पंजीबद्ध किया है।

अपराधी को जिले की राजस्व सीमाओं से किया निष्कासित

कटनी। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी आशीष तिवारी ने आदतन अपराधी आकाश उर्फ राका वंशकार पिता लल्लू वंशकार 26 वर्ष निवासी बंगला लाइन थाना माधवनगर के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए उसे आगामी 5 माह की अवधि के लिए जिले की राजस्व सीमाओं से निष्कासित करने का आदेश पारित किया है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन के आधार पर की गई है। आकाश वर्ष 2015 से थाना माधवनगर क्षेत्र में निरंतर आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त रहा है। उसके विरुद्ध अब तक 8 आपराधिक प्रकरण पंजीबद्ध किए जा चुके हैं, जिनमें मारपीट, गाली-गलौज, जान से मारने की धमकी, कच्ची शराब बेचने,पत्थर मारकर तोड़-फोड करने जैसे गंभीर अपराध शामिल हैं। संबंधित प्रकरणों में विवेचना उपरांत आरोप पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किए जा चुके हैं, जो वर्तमान में विचाराधीन हैं। पुलिस द्वारा आकाश की गतिविधियों पर अंकुश लगाने हेतु पूर्व में भी प्रतिबंधात्मक कार्रवाइयाँ की गईं, किन्तु उसके आचरण में कोई सुधार नहीं हुआ। सार्वजनिक सुरक्षा व्यवस्था पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभाव को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर ने आदतन अपराधी आकाश उर्फ़ राका वंशकार को 24 घंटे के भीतर कटनी जिले की राजस्व सीमाओं तथा समीपवर्ती जबलपुर, मैहर, दमोह, पन्ना एवं उमरिया की राजस्व सीमाओं से 5 माह की अवधि के लिए बाहर जाने का आदेश पारित किया है।

प्रभारी कलेक्टर की अध्यक्षता एनकॉर्ड समिति की बैठक संपन्न

अधिकारियों, कर्मचारियों को दिलाई गई नशा मुक्ति की शपथ

उमरिया। जिले में नशामुक्त वातावरण बनाने एवं बच्चों को नशीले पदार्थों के दुष्प्रभाव से बचाने के उद्देश्य से सीईओ जिला पंचायत एवं प्रभारी कलेक्टर अभय सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में सातवी मासिक एनकॉर्ड समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया तथा नशीले पदार्थों की रोकथाम एवं जागरूकता गतिविधियों की समीक्षा की गई।

बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया कि सभी विद्यालयों के बाहर 100 मीटर की परिधि का चिन्हांकन करें तथा वहां किसी भी स्थिति में नशा से संबंधित पदार्थ की बिक्री न हो । स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि विद्यालयों में विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर विद्यार्थियों को नशीले पदार्थों के सेवन से होने वाले शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक दुष्परिणामों की जानकारी दी जाए। उन्होंने कहा कि बच्चों को प्रारंभिक स्तर पर ही जागरूक बनाना आवश्यक है, जिससे वे नशे की प्रवृत्तियों से दूर रहकर स्वस्थ एवं सुरक्षित जीवन की ओर अग्रसर हो सकें।

इसके साथ ही प्रभारी कलेक्टर ने संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि दीवार लेखन, पोस्टर, बैनर एवं अन्य जनजागरूकता माध्यमों के जरिए आमजन को भी नशीले पदार्थों के दुष्परिणामों से अवगत कराया जाए। उन्होंने कहा कि समाज की सहभागिता से ही नशामुक्त वातावरण का निर्माण संभव है। बैठक में नगरीय प्रशासन, पंचायत एवं ग्रामीण विकास , श्रम तथा पुलिस विभाग सहित अन्य विभागों को नशा मुक्ति के संबंध में कार्यशालाएं आयोजित करनें और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करनें के निर्देश दिए गए। प्रभारी कलेक्टर ने कहा कि सभी विभागों के समन्वित प्रयासों से ही नशा मुक्ति कार्यक्रम में सफलता प्राप्त की जा सकेगी।

बैठक उपरांत उपस्थित अधिकारियों कर्मचारियों को नशा मुक्ति की शपथ दिलाते हुए कहा गया कि युवा किसी भी राष्ट्र की उर्जा एवं शक्ति का प्रतीक होते है। समाज तथा देश के विकास में उनका महत्वपूर्ण योगदान होता है। अतः नशा मुक्त भारत अभियान मे हम आज यह शपथ लेते है कि न केवल अपने समुदाय, परिवार, मित्रों बल्कि स्वयं को भी नशे से दूर रखूगा। अपने जिले, अपने राज्य और अपने देश को नशा मुक्त रखने मे अपनी क्षमता अनुसार हर संभव प्रयास करनें का संकल्प उपस्थित अधिकारियों ने लिया । बैठक में अपर कलेक्टर पी.के. सेनगुप्ता, संयुक्त कलेक्टर रीता डेहरिया, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आलोक कुमार शर्मा, डिप्टी कलेक्टर कमलेश नीरज, प्रत्युष श्रीवास्तव ,विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

ग्राम नरवार मे एक पेड़ मां के नाम अंतर्गत पौधरोपण कार्यक्रम संपन्न

उमरिया। नाबार्ड के 45वें स्थापना दिवस के अवसर पर ग्राम नरवार में एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम अंतर्गत पौध रोपण एवं निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन विकास खंड करकेली अंतर्गत ग्राम नरवार के पंचायत भवन में नाबार्ड के 45वें स्थापना दिवस के अवसर पर रिएक्ट संस्था द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में परियोजना प्रबंधक पंकज कुमार सिंह, करकेली वाड़ी विकास समिति के अध्यक्ष शंभू प्रसाद , एल.डी.एम. गौतम कुमार सिंह सहित ग्राम नरवार के आदिवासी महिला एवं पुरुष किसान बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।कार्यक्रम के शुभारंभ में परियोजना प्रबंधक पंकज कुमार सिंह द्वारा कार्यक्रम के उद्देश्य एवं नाबार्ड के 45वें स्थापना दिवस के महत्व पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला। साथ ही नाबार्ड द्वारा विकासखंड करकेली में संचालित वाड़ी विकास परियोजना के उद्देश्यों, गतिविधियों एवं किसानों को प्राप्त होने वाले लाभों की विस्तृत जानकारी प्रदान की।परियोजना प्रबंधक पंकज कुमार सिंह द्वारा अपील की गई कि वाड़ी ग्रामों में समय-समय पर वित्तीय समावेशन शिविर आयोजित किए जाएँ, जिससे अधिक से अधिक किसान बैंकिंग सेवाओं, ऋण सुविधाओं एवं अन्य वित्तीय योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकें। एल.डी.एम. गौतम कुमार सिंह ने आश्वासन दिया कि परियोजना अंतर्गत प्रत्येक वाड़ी ग्राम में शीघ्र ही वित्तीय समावेशन शिविर आयोजित किए जाएंगे। एल.डी.एम. ने किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड, जीवन बीमा योजनाओं तथा किसानों के हित में संचालित अन्य बैंकिंग एवं सरकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी तथा इन योजनाओं का अधिकाधिक लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान अतिथियों व्दारा पौधरोपण किया गया। कार्यक्रम का सफल आयोजन रिएक्ट संस्था के सहयोग एवं सभी प्रतिभागियों की सक्रिय सहभागिता से संपन्न हुआ।

पेपर लीक और रुकी छात्रवृत्ति पर भड़का गोंडवाना स्टूडेंट्स यूनियन

शहडोल। मध्य प्रदेश की भर्ती और परीक्षा प्रणाली इस वक्त भ्रष्टाचार, गड़बड़ी और युवाओं के शोषण का सबसे बड़ा अड्डा बन चुकी है। प्रदेश के आदिवासी, दलित और पिछड़े वर्ग के बेरोजगार नौजवानों के सब्र का बांध अब पूरी तरह टूट गया है। मध्य प्रदेश कर्मचारी चयन मंडल द्वारा आयोजित परीक्षाओं में जिस तरह नियमों की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं, उसे लेकर गोंडवाना स्टूडेंट्स यूनियन इंडिया ने शासन-प्रशासन के खिलाफ आर-पार की जंग का ऐलान कर दिया है। यूनियन ने महामहिम राज्यपाल, मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपते हुए साफ कर दिया है कि यदि आदिवासियों के संवैधानिक अधिकारों से खिलवाड़ बंद नहीं हुआ, तो पूरा प्रदेश उग्र जनआंदोलन की आग में झुलसने के लिए तैयार रहे।

2784 पदों में आदिवासियों को थमाए महज 122 पद

जीएसयू ने सरकारी आंकड़ों का पोस्टमार्टम करते हुए सीधे तौर पर समूह-2, उपसमूह-1 कृषि विस्तार अधिकारी भर्ती परीक्षा-2026 में हुए बड़े आरक्षण घोटाले को बेनकाब किया है। यूनियन का आरोप है कि इस भर्ती में अनुसूचित जनजाति वर्ग के संवैधानिक अधिकारों का घोर उल्लंघन किया गया है। मध्य प्रदेश के राजपत्र और वैधानिक प्रावधानों के अनुसार, स्त्र वर्ग के लिए 20 प्रतिशत आरक्षण अनिवार्य है। इस लिहाज से कुल 2784 पदों में से आदिवासियों के हिस्से में कम से कम 557 पद आने चाहिए थे, लेकिन विभागीय रोस्टर के नाम पर ऐसा खेल खेला गया कि आदिवासियों को महज 122 पदों पर समेट दिया गया। आखिर ये गायब किए गए पद किसकी जेब में गए, बैकलॉग और विभागीय रोस्टर की ये कौन सी सीक्रेट सेटिंग है, जिसे सरकार जनता के सामने लाने से डर रही है?

डिप्रेशन में युवा, सुसाइड की नौबत!

ज्ञापन में युवाओं के आर्थिक और मानसिक शोषण पर बेहद आक्रामक रुख अपनाया गया है। यूनियन ने सीधे सरकार को कटघरे में खड़ा करते हुए कहा कि नीट, व्यापम और पटवारी** जैसी कोई ऐसी परीक्षा नहीं बची है, जिसका पेपर लीक न हुआ हो। सालों-साल दिन-रात एक कर तैयारी करने वाले छात्र जब परीक्षा देकर निकलते हैं, तो उन्हें पता चलता है कि पेपर पहले ही बिक चुका था। इस भ्रष्ट तंत्र के कारण प्रदेश का युवा डिप्रेशन का शिकार हो रहा है और छात्र आत्महत्या करने पर मजबूर हैं। जीएसयू ने मांग की है कि पिछले 3 साल के भीतर जितने भी पेपर लीक हुए हैं, उनकी सीबीआई या उच्च स्तरीय न्यायिक जांच कराई जाए और दोषी अफसरों को सीधे जेल भेजा जाए। साथ ही, पेपर निरस्त होने के कारण छात्रों के फॉर्म शुल्क, यात्रा और रहने में हुए पूरे खर्च की भरपाई सरकार करे।

छात्रवृत्ति रोकी, गरीब छात्रों की पढ़ाई पर लगा ताला

घोटाले सिर्फ भर्तियों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि कॉलेजों में पढ़ रहे गरीब तबके के छात्रों के पेट पर भी लात मारी जा रही है। शहडोल जिले के शासकीय विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में पढ़ रहे एसटी, एससी और ओबीसी वर्ग के छात्रों की छात्रवृत्ति और आवास भत्ता महीनों से अटका पड़ा है। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चे इसी सरकारी मदद के भरोसे कमरे का किराया देते हैं और अपनी पढ़ाई का खर्च चलाते हैं। समय पर छात्रवृत्ति न मिलने के कारण कई छात्र आगामी परीक्षाओं के फॉर्म तक नहीं भर पा रहे हैं।

रोस्टर सार्वजनिक करो, नहीं तो ठप होगा मध्य प्रदेश!

गोंडवाना स्टूडेंट्स यूनियन ने स्पष्ट शब्दों में चेतावनी दी है कि यदि कृषि विस्तार अधिकारी भर्ती का वर्गवार और श्रेणीवार रोस्टर तत्काल सार्वजनिक कर पदों में वृद्धि नहीं की गई, तो उग्र आंदोलन किया जाएगा। इसके अलावा लंबित छात्रवृत्ति और आवास भत्ता तुरंत छात्रों के खातों में ट्रांसफर किया जाए। ज्ञापन सौंपने के दौरान यूनियन के जिला पदाधिकारियों सहित सैकड़ों आक्रोशित छात्र मौजूद रहे, जिन्होंने साफ कहा कि अब बर्दाश्त करने का वक्त खत्म हो चुका है, अब सीधे सडक़ों पर हिसाब होगा।

आबकारी उपनिरीक्षक वृत्त बुढार में पदस्थ राजेन्द्र सिंह आबकारी मुख्य आरक्षक पद पर हुये पदोन्नत

बुढार। आबकारी उपनिरीक्षक वृत्त बुढार में पदस्थ आबकारी आरक्षक राजेन्द्र कुमार सिंह की पदोन्नति आबकारी मुख्य आरक्षक के पद पर होने पर विभागीय जनों में प्रसन्नता व्याप्त है।ग्वालियर के पदोन्नति आदेश के परिपालन में जिला आबकारी अधिकारी सुश्री सावित्री भगत एवं सहायक जिला आबकारी अधिकारी हनुमान सिंह ने जिला मुख्यालय में आबकारी मुख्य आरक्षक पद पर पदोन्नत राजेन्द्र कुमार सिंह को आबकारी उपनिरीक्षक रजनीश त्रिपाठी के विशिष्ट उपस्थिति में बैच लगाकर मुख्य आरक्षक पद पर पदोन्नति प्रदान की ग ई । आ ब का री उपनिरीक्षक वृत्त बुढार में पदस्थ राजेन्द्र कुमार सिंह मिलनसार एवं कर्तव्य निष्ठ आबकारी आरक्षण के रूप में जाने जाते रहे है और उनके मुख्य आरक्षक के मिले पदोन्नति से विभागीय जनों व स्नेहियों में हर्ष व्याप्त है।

अध्यक्ष बिंदा भगत के नेतृत्व में संकट मोचन विद्यालय में सेवा का अनूठा उदाहरण

मासूम चेहरों पर मुस्कान बनकर पहुंचा लीनेस क्लब बुढार

धनपुरी। समाज सेवा केवल शब्दों से नहीं, बल्कि संवेदनाओं से जीवंत होती है। इसी भावना को चरितार्थ करते हुए लीनेस क्लब बुढार ने संकट मोचन विद्यालय में सेवा, स्नेह और संस्कार से ओतप्रोत कार्यक्रम आयोजित कर जरूरतमंद बच्चों के चेहरों पर मुस्कान बिखेर दी। क्लब की अध्यक्ष बिंदा भगत के नेतृत्व में आयोजित इस आयोजन में बच्चों को स्कूल बैग, कॉपी, पेंसिल, रबड़ सहित अन्य शैक्षणिक सामग्री और खाद्य सामग्री वितरित की गई। पूरे कार्यक्रम के दौरान बच्चों की खुशी देखते ही बन रही थी।

कार्यक्रम की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि यह केवल सामग्री वितरण तक सीमित नहीं रहा, बल्कि बच्चों के सर्वांगीण विकास पर भी विशेष ध्यान दिया गया। क्लब की सदस्यों ने बच्चों को नियमित अध्ययन, अनुशासन, स्वच्छता और अच्छे संस्कारों का महत्व समझाया तथा जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

बच्चों के मनोरंजन के लिए आयोजित खेल प्रतियोगिताओं में सभी ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विजेता बच्चों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया, जिससे उनका आत्मविश्वास और उत्साह बढ़ा। विद्यालय परिसर बच्चों की तालियों, खिलखिलाहट और खुशियों से गूंज उठा। इस अवसर पर क्लब की अध्यक्ष बिंदा भगत ने कहा कि समाज के जरूरतमंद बच्चों तक शिक्षा और प्रोत्साहन पहुंचाना ही लीनेस क्लब का मूल उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि किसी बच्चे के चेहरे पर मुस्कान लाना सबसे बड़ा पुरस्कार है। उनके नेतृत्व में लीनेस क्लब बुढार लगातार शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण और सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यों में सक्रिय भूमिका निभा रहा है, जिससे संस्था ने क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाई है।

कार्यक्रम में सचिव ली. अंजू दुआ, कोषाध्यक्ष ली. अर्चना ओझा तथा सदस्य ली. मोनिका अग्रवाल, ली. श्यामा गुप्ता, ली. शैला गुप्ता, ली. प्रतिमा जैन, ली. रजनी जैन, ली. नागमणि मानिकपुरी, ली. बबीता जायसवाल, ली. अंजू अग्रवाल सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने बच्चों के साथ आत्मीयता से समय बिताया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

विद्यालय परिवार ने लीनेस क्लब बुढार की इस मानवीय पहल की सराहना करते हुए अध्यक्ष बिंदा भगत एवं सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया। विद्यालय प्रबंधन ने कहा कि ऐसे सेवा कार्य न केवल बच्चों को आवश्यक सहयोग प्रदान करते हैं, बल्कि समाज में संवेदनशीलता, सहयोग और मानवीय मूल्यों को भी मजबूत करते हैं।

एंटी स्नेक वेनम ही बचा सकता है मरीज की जान

सांप के काटने पर झाड़-फूंक नहीं, तत्काल इलाज कराएं

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

वर्षा ऋतु के आगमन के साथ ही जिले में सांप निकलने और सर्पदंश की घटनाओं में वृद्धि होने लगती है। खेतों, घरों के आसपास, लकड़ी एवं घास-फूस के ढेरों तथा जलभराव वाले क्षेत्रों में सांपों की गतिविधियां बढ़ जाती हैं। ऐसे समय में लोगों को विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता है। स्वास्थ्य विभाग ने आमजन से अपील की है कि सांप के काटने की स्थिति में किसी भी प्रकार के तंत्र-मंत्र, झाड़-फूंक या अंधविश्वास के चक्कर में न पड़ें, बल्कि मरीज को तत्काल नजदीकी अस्पताल पहुंचाएं।

सर्पदंश के बाद समय पर उचित चिकित्सा उपचार मिलने से अधिकांश मरीजों की जान बचाई जा सकती है। सांप के काटने के बाद कई लोग पंडा-पुजारी, ओझा-गुनिया अथवा झाड़-फूंक कराने में कीमती समय गंवा देते हैं, जिसके कारण मरीज की स्थिति गंभीर हो सकती है। चिकित्सा विज्ञान के अनुसार एंटी स्नेक वेनम (एएसवी) ही सर्पदंश का प्रभावी और प्रमाणित उपचार है।

सर्पदंश होने पर मरीज को शांत रखें और घबराने न दें। प्रभावित अंग को अधिक हिलाने-डुलाने से बचाएं। मरीज को जल्द से जल्द नजदीकी अस्पताल या स्वास्थ्य केंद्र ले जाएं। यदि संभव हो तो सांप का रंग या पहचान संबंधी जानकारी सुरक्षित रखें, लेकिन सांप को पकड़ने या मारने का प्रयास न करें। एम्बुलेंस सेवा या चिकित्सा सहायता के लिए तुरंत संपर्क करें।

सांप के काटने पर क्या न करें

सांप के काटने पर झाड़-फूंक, तंत्र-मंत्र या अंधविश्वास का सहारा न लें। काटे गए स्थान पर चीरा न लगाएं। जहर चूसने का प्रयास न करें। प्रभावित अंग पर अत्यधिक कसकर रस्सी या कपड़ा न बांधें। घरेलू नुस्खों के भरोसे समय बर्बाद न करें। स्वास्थ्य विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि वर्षा ऋतु में खेतों और घरों के आसपास साफ-सफाई बनाए रखें, रात में टॉर्च का उपयोग करें तथा बच्चों को भी सर्पदंश से बचाव के प्रति जागरूक करें। विभाग ने स्पष्ट किया है कि सांप के काटने पर त्वरित चिकित्सा उपचार और एंटी स्नेक वेनम ही मरीज की जान बचा सकता है, इसलिए किसी भी प्रकार के अंधविश्वास के बजाय वैज्ञानिक उपचार को प्राथमिकता दें।

उद्योगपति पर हमले के आरोपितों की गिरफ्तारी नहीं होने से व्यापारिक संगठनों में गहराया रोष

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

उद्योगपति मुकेश गुप्ता पर हुए हमले के मामले में पुलिस की कार्रवाई की रफ्तार को लेकर व्यापारिक संगठनों में असंतोष बढ़ता जा रहा है। घटना के कई दिन बीत जाने के बाद भी मामले के अनेक आरोपी पुलिस की पकड़ से दूर बताए जा रहे हैं, जिससे व्यापारी वर्ग में आक्रोश का माहौल है।बताया जाता है कि पांच जुलाई को माधवनगर क्षेत्र में जमीन से जुड़े विवाद के दौरान उद्योगपति मुकेश गुप्ता, राहुल गुप्ता और उनके चालक पर एक समूह ने हमला कर दिया था। घटना के बाद पीड़ित पक्ष की शिकायत पर पुलिस ने बलवा, मारपीट, हत्या के प्रयास और धमकी समेत विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज किया था। इसके बावजूद अब तक सीमित कार्रवाई होने को लेकर सवाल उठने लगे हैं।

मामले को लेकर कटनी जिला व्यापारी संघ तथा विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के नाम ज्ञापन सौंपकर सभी आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की है। ज्ञापन में कहा गया है कि यदि प्रभावशाली और प्रतिष्ठित लोग भी असुरक्षित महसूस कर रहे हैं, तो आम नागरिकों की सुरक्षा को लेकर चिंता स्वाभाविक है।इधर, मामले के एक आरोपी की अग्रिम जमानत याचिका न्यायालय ने निरस्त कर दी है।

राम मंदिर चंदा चोरी के बाद नर्मदा मंदिर ट्रस्ट पर उठे बड़े सवाल

विधायक फुंदेलाल सिंह मार्को बोले-करोड़ों की संपत्ति का हिसाब जनता को क्यों नहीं?

राम मंदिर चंदा चोरी प्रकरण के बाद अब मध्यप्रदेश की धार्मिक नगरी अमरकंटक स्थित नर्मदा मंदिर ट्रस्ट की कार्यप्रणाली पर भी गंभीर प्रश्न उठने लगे हैं। पुष्पराजगढ़ विधायक फुंदेलाल सिंह मार्को ने ट्रस्ट की आय-व्यय, चल-अचल संपत्तियों, चढ़ावे में मिले सोना-चांदी और नकदी का सार्वजनिक लेखा-जोखा जारी करने की मांग करते हुए पारदर्शिता पर बड़ा सवाल खड़ा किया है। उनका कहना है कि श्रद्धालुओं के विश्वास को बनाए रखने के लिए ट्रस्ट को अपनी पूरी वित्तीय व्यवस्था जनता के सामने रखनी होगी, जिससे लोगों का विश्वास ट्रस्ट पर बना रह सकें।

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

अमरकंटक केवल मध्यप्रदेश ही नहीं, बल्कि पूरे देश की आस्था का केंद्र है। मां नर्मदा के उद्गम स्थल पर प्रतिवर्ष लाखों श्रद्धालु दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए पहुंचते हैं। वर्षों से मंदिर को चढ़ावे के रूप में नकदी, सोना-चांदी, आभूषण और अन्य बहुमूल्य संपत्तियां प्राप्त होती रही हैं। ऐसे में स्वाभाविक रूप से यह प्रश्न उठता है कि इन संसाधनों का उपयोग किस प्रकार किया जा रहा है और इसका लाभ श्रद्धालुओं तथा क्षेत्र के विकास को कितना मिल रहा है। पुष्पराजगढ़ विधायक फुंदेलाल सिंह मार्को ने इसी विषय को सार्वजनिक बहस का मुद्दा बनाते हुए कहा है कि यदि ट्रस्ट आर्थिक रूप से इतना सक्षम है तो अमरकंटक में मूलभूत सुविधाओं की कमी क्यों बनी हुई है। उनका आग्रह है कि ट्रस्ट की वित्तीय व्यवस्था, निर्णय प्रक्रिया और विकास कार्यों का पूरा विवरण सार्वजनिक किया जाए, ताकि आस्था के साथ-साथ जवाबदेही भी बनी रहे।

करोड़ों के चढ़ावे पर पारदर्शिता का सवाल

विधायक फुंदेलाल सिंह मार्को का कहना है कि नर्मदा मंदिर ट्रस्ट को वर्षों से करोड़ों रुपये का चढ़ावा, बहुमूल्य आभूषण, सोना-चांदी और अन्य चल-अचल संपत्तियां प्राप्त होती रही हैं। ऐसे में यह आवश्यक है कि ट्रस्ट समय-समय पर अपनी कुल संपत्ति और आय-व्यय का सार्वजनिक विवरण जारी करे। उनका मानना है कि धार्मिक संस्थानों की विश्वसनीयता केवल आस्था से नहीं, बल्कि पारदर्शी वित्तीय व्यवस्था से भी मजबूत होती है।

श्रद्धालुओं को सुविधाएं नहीं, फिर खर्च कहां?

विधायक ने सवाल उठाया कि यदि ट्रस्ट के पास पर्याप्त संसाधन उपलब्ध हैं, तो अमरकंटक आने वाले देश-विदेश के श्रद्धालुओं को आज भी स्वच्छता, पार्किंग, पेयजल, शौचालय, आवास और यातायात जैसी मूलभूत सुविधाओं के लिए संघर्ष क्यों करना पड़ता है। उनका कहना है कि धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सुविधाओं का विस्तार प्राथमिकता होनी चाहिए। यदि विकास कार्यों पर खर्च हो रहा है, तो उसका प्रत्यक्ष प्रभाव भी दिखाई देना चाहिए।

क्या ट्रस्ट की भूमिका केवल आयोजनों तक सीमित?

विधायक मार्को ने यह भी प्रश्न उठाया कि क्या ट्रस्ट का कार्य केवल नर्मदा जयंती, नवरात्रि, सावन जैसे आयोजनों के दौरान रंगाई-पुताई और लाइटिंग तक सीमित रह गया है। उनका कहना है कि स्थायी विकास कार्यों, अधोसंरचना निर्माण और श्रद्धालुओं की सुविधाओं पर समान गंभीरता से निवेश होना चाहिए था। धार्मिक आयोजनों के साथ-साथ दीर्घकालिक विकास योजनाएं भी ट्रस्ट की प्राथमिकता में शामिल होनी चाहिए था जो धरातल में दिखाई नहीं पड़ता है।

ट्रस्ट की बैठकों और निर्णय प्रक्रिया पर भी उठे सवाल

विधायक का आरोप है कि ट्रस्ट की बैठकें कब होती हैं, किन प्रस्तावों पर निर्णय लिया जाता है और विकास योजनाओं की स्वीकृति किस प्रक्रिया से होती है, इसकी जानकारी सार्वजनिक रूप से उपलब्ध नहीं होती है। उन्होंने कहा कि यदि ट्रस्ट की कार्यप्रणाली पूरी तरह पारदर्शी होगी तो अनावश्यक विवादों और आशंकाओं की गुंजाइश स्वतः समाप्त हो जाएगी। संस्थागत जवाबदेही धार्मिक संस्थानों की विश्वसनीयता को और मजबूत करती है।

कमिश्नर और कलेक्टर से सार्वजनिक लेखा-जोखा जारी करने की मांग

विधायक ने कहा कि मां नर्मदा मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष संभागीय आयुक्त (कमिश्नर) तथा सचिव कलेक्टर अनूपपुर हैं। ऐसे में ट्रस्ट की संपूर्ण चल-अचल संपत्ति, आय-व्यय, चढ़ावे और विकास कार्यों का विस्तृत विवरण सार्वजनिक किया जाना चाहिए। उनका कहना है कि इससे श्रद्धालुओं का विश्वास और मजबूत होगा तथा किसी भी प्रकार की शंका का स्वतः समाधान हो सकेगा। अब इस पूरे मामले में ट्रस्ट प्रबंधन की प्रतिक्रिया पर सभी की निगाहें टिकी हुई हैं।

कोतमा में स्कूल बस से निकला धुआं, बाल-बाल बचे मासूम, निजी स्कूलों की लापरवाही पर उठे गंभीर सवाल

अनफिट बसें, सुरक्षा उपकरणों का अभाव और क्षमता से अधिक बच्चों को बैठाने के आरोप

जिला यातायात प्रभारी ने जांच के बाद सख्त कार्रवाई का दिया भरोसा

हरिभूमि न्यूज कोतमा। स्कूली बच्चों की सुरक्षा को दरकिनार कर नगर के कुछ निजी विद्यालयों में बिना आवश्यक सुरक्षा मानकों और फिटनेस के स्कूल बसों का संचालन किए जाने के आरोप एक बार फिर सामने आए हैं। सोमवार को एक निजी स्कूल की बस में छुट्टी के बाद बच्चों को घर छोड़ने के दौरान अचानक इंजन से धुआं और आग की लपटें निकलने लगीं। इससे बस में सवार बच्चों में अफरा-तफरी मच गई। गनीमत रही कि समय रहते सभी बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया और एक बड़ा हादसा टल गया। जानकारी के अनुसार, दोपहर में स्कूल की छुट्टी के बाद बस क्षमता से अधिक बच्चों को लेकर राष्ट्रीय राजमार्ग-43 स्थित बुढ़ानपुर तिराहा से ज्योति पेट्रोल पंप मार्ग की ओर जा रही थी। अशोक सोनी के घर के सामने पहुंचते ही बस के इंजन से अचानक धुआं उठने लगा और कुछ ही क्षणों में आग की लपटें दिखाई देने लगीं। स्थिति बिगड़ते देख आगे बैठे कुछ बच्चे मुख्य दरवाजे से बाहर निकल गए, जबकि बीच और पीछे बैठे बच्चे घबरा गए। प्रत्यक्षदर्शियों और बच्चों के अनुसार, बस का इमरजेंसी गेट अंदर से नहीं खुल रहा था। बाद में बाहर से प्रयास कर किसी तरह गेट खोला गया, जिसके बाद बच्चे पीछे के रास्ते से उतरकर सुरक्षित बाहर आए। बच्चों का यह भी कहना है कि आग लगने के दौरान चालक बस से नीचे उतर गया, जिससे बच्चों में और अधिक भय का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों का आरोप है कि संबंधित बस में अग्निशमन यंत्र (फायर एक्सटिंग्विशर), फर्स्ट एड बॉक्स सहित कई अनिवार्य सुरक्षा उपकरण मौजूद नहीं थे। बस में किसी महिला अटेंडेंट या परिचारक की भी व्यवस्था नहीं थी और बच्चों को केवल चालक व परिचालक के भरोसे भेजा जाता था। यह भी आरोप है कि बस में लगे सीसीटीवी कैमरों का रुख इस प्रकार कर दिया जाता है कि क्षमता से अधिक बच्चों को बैठाए जाने की वास्तविक स्थिति रिकॉर्ड न हो सके।

उल्लेखनीय है कि जिले में इन दिनों यातायात विभाग द्वारा सुरक्षित स्कूल बस अभियान चलाया जा रहा है। हाल ही में किए गए निरीक्षण में कई स्कूल बसों में सीसीटीवी, स्पीड गवर्नर, अग्निशमन यंत्र और फर्स्ट एड बॉक्स जैसी आवश्यक व्यवस्थाओं का अभाव पाया गया था। विभाग ने कई बसों के चालान काटे थे तथा कुछ अनफिट वाहनों पर कार्रवाई भी की थी। इसके बावजूद नियमों के उल्लंघन की शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं। सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों के अनुसार प्रत्येक स्कूल बस में स्पीड गवर्नर, अग्निशमन यंत्र, फर्स्ट एड बॉक्स, कार्यशील इमरजेंसी गेट तथा छोटे बच्चों के लिए महिला अटेंडेंट जैसी व्यवस्थाएं अनिवार्य हैं। साथ ही बस का फिटनेस प्रमाणपत्र, वैध परमिट और बीमा होना भी आवश्यक है। आरोप है कि नगर की कई निजी स्कूल बसें इन मानकों का पालन किए बिना ही सड़कों पर दौड़ रही हैं, जिससे बच्चों की सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है। स्थानीय नागरिकों ने मांग की है कि यातायात एवं परिवहन विभाग केवल अभियान चलाकर औपचारिक कार्रवाई तक सीमित न रहे, बल्कि विद्यालय खुलने और छुट्टी के समय नियमित रूप से स्कूल बसों की जांच कर नियमों का उल्लंघन करने वाले स्कूल प्रबंधन के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित करे।

इनका कहना है

मामले की जांच कराई जाएगी। यदि स्कूल संचालकों द्वारा बच्चों की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ किया जाना पाया गया तो संबंधित बस को जब्त करते हुए नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

विनोद दुबे
जिला यातायात प्रभारी, अनूपपुर

बैल के हमले से गंभीर घायल किसान की बची जान, देर रात सर्जन ने किया सफल ऑपरेशन

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। चिकित्सकों को यूं ही भगवान का दूसरा रूप नहीं कहा जाता। जिला चिकित्सालय अनूपपुर में रविवार देर रात एक ऐसा ही मानवीय और प्रेरणादायी उदाहरण देखने को मिला, जब बैल के हमले में गंभीर रूप से घायल एक किसान की जान सर्जन की तत्परता और कुशलता से बच गई। जैतहरी तहसील के ग्राम गौरेला निवासी 50 वर्षीय बहादुर सिंह गोंड रविवार शाम अपने घर की गौशाला में पालतू बैल को रस्सी से बांध रहे थे। इसी दौरान बैल अचानक उग्र हो गया और उसने सींग से बहादुर सिंह के पेट पर जोरदार हमला कर दिया। हमले की तीव्रता इतनी अधिक थी कि उनका पेट बुरी तरह फट गया और आंतें बाहर निकल आईं। गंभीर हालत में परिजन और ग्रामीण उन्हें तत्काल जिला चिकित्सालय अनूपपुर लेकर पहुंचे। घटना की सूचना मिलते ही पूर्व जनपद सदस्य फुंदेलाल सिंह, सामाजिक कार्यकर्ता शशिधर अग्रवाल तथा जैतहरी बीएमओ डॉ. मोहन सिंह श्याम ने तत्काल उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित कराई। जिला चिकित्सालय में ड्यूटी पर मौजूद डॉ. हिमांशु पांडेय ने मरीज की गंभीर स्थिति को देखते हुए सर्जन डॉ. साकेत कौशिक को तत्काल सूचना दी। देर रात अस्पताल पहुंचे डॉ. साकेत कौशिक ने बिना समय गंवाए ऑपरेशन शुरू किया। करीब दो घंटे तक चले जटिल ऑपरेशन के दौरान बाहर निकली आंतों को अत्यंत सावधानी से पुनः पेट के भीतर स्थापित किया गया। इसके बाद आवश्यक सर्जरी, टांके, जांच एवं दवाइयों के माध्यम से मरीज का उपचार किया गया। चिकित्सकों की तत्परता, कुशल सर्जरी और समय पर मिले उपचार के कारण बहादुर सिंह गोंड की जान बच गई। फिलहाल उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है और वे जिला चिकित्सालय में चिकित्सकों की निगरानी में भर्ती हैं। इस घटना ने एक बार फिर साबित कर दिया कि संकट की घड़ी में समर्पित चिकित्सकों की संवेदनशीलता और सेवा भावना किसी जीवनदायिनी शक्ति से कम नहीं होती। मरीज के परिजनों ने जिला चिकित्सालय की चिकित्सकीय टीम का आभार व्यक्त करते हुए सफल उपचार के लिए उन्हें धन्यवाद दिया।

पुष्पराजगढ़ विधायक के नेतृत्व में जिला कांग्रेस ने जीएम के नाम स्टेशन प्रबंधक को दिया ज्ञापन

वेंकटनगर-निगौरा स्टेशनों पर ट्रेनों के ठहराव की मांग तेज, 15 दिन में कार्रवाई नहीं होने पर आंदोलन के संकेत

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

वेंकटनगर और निगौरा रेलवे स्टेशनों पर यात्री ट्रेनों के पुनः ठहराव सहित अनूपपुर जिले की विभिन्न लंबित रेल सुविधाओं की मांग को लेकर सोमवार को जिला कांग्रेस कमेटी ने पुष्पराजगढ़ विधायक फुंदेलाल सिंह मार्को के नेतृत्व में बिलासपुर रेल मंडल के महाप्रबंधक (जीएम) के नाम अनूपपुर स्टेशन प्रबंधक को ज्ञापन सौंपा। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जिला कांग्रेस कार्यालय से रैली निकालकर अनूपपुर जंक्शन पहुंचकर अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन किया और रेलवे प्रशासन से शीघ्र कार्रवाई की मांग की। ज्ञापन का वाचन जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष रमेश सिंह ने किया। उन्होंने कहा कि अनूपपुर, पुष्पराजगढ़ और कोतमा विधानसभा क्षेत्र की जनता लंबे समय से रेलवे से जुड़ी अनेक मूलभूत समस्याओं से जूझ रही है। इन मांगों को लेकर पूर्व में भी कई बार पत्राचार एवं ज्ञापन दिए गए, लेकिन अब तक अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई, जिससे यात्रियों, विद्यार्थियों, कर्मचारियों और व्यापारियों को लगातार परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ज्ञापन में प्रमुख मांगों में वेंकटनगर एवं निगौरा रेलवे स्टेशनों पर कोरोना काल से पूर्व ठहरने वाली प्रमुख यात्री ट्रेनों का स्टॉपेज तत्काल बहाल करने, अनूपपुर रेलवे आरक्षण केंद्र के समय में की गई कटौती समाप्त कर पूर्व व्यवस्था लागू करने, प्लेटफॉर्म क्रमांक-1 से 3 तक निर्माणाधीन फुट ओवरब्रिज का कार्य शीघ्र पूरा कराने तथा स्टेशन के बाहर सार्वजनिक शौचालय (सुलभ कॉम्प्लेक्स) का निर्माण कराने की मांग शामिल है। इसके अलावा वर्षों से लंबित अनूपपुर रेलवे ओवरब्रिज निर्माण को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने, चिरमिरी-रीवा एवं रीवा-चिरमिरी एक्सप्रेस का संचालन पुनः प्रतिदिन शुरू करने तथा शहडोल-नागपुर एक्सप्रेस का विस्तार अंबिकापुर तक कर बिजुरी, कोतमा और अनूपपुर स्टेशनों पर उसका ठहराव सुनिश्चित करने की मांग भी रेलवे प्रशासन के समक्ष रखी गई। विधायक फुंदेलाल सिंह मार्को ने महाप्रबंधक दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के नाम अलग से दिए गए ज्ञापन में बताया कि वेंकटनगर एवं निगौरा स्टेशनों पर गाड़ी संख्या 18234 बिलासपुर-इंदौर, 18233 इंदौर-बिलासपुर, 18258 चिरमिरी-बिलासपुर, 18257 बिलासपुर-चिरमिरी तथा 18235 भोपाल-बिलासपुर एवं 18236 बिलासपुर-भोपाल एक्सप्रेस ट्रेनों के स्टॉपेज बहाल करने की मांग वे लगातार पत्रों के माध्यम से करते रहे हैं। इस संबंध में कलेक्टर अनूपपुर, एसडीएम जैतहरी तथा रेलवे अधिकारियों द्वारा भी पत्राचार किया गया, लेकिन अब तक कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया। विधायक ने कहा कि 21 फरवरी 2026 को वेंकटनगर में उनके नेतृत्व में हुए रेल रोको आंदोलन के दौरान रेलवे प्रशासन की ओर से दो माह के भीतर मांगें पूरी करने का आश्वासन दिया गया था। हालांकि पांच माह बीत जाने के बाद भी ट्रेनों का ठहराव बहाल नहीं किया गया, जिससे क्षेत्र की जनता में नाराजगी लगातार बढ़ रही है। उन्होंने रेलवे प्रशासन से मांग की कि वेंकटनगर और निगौरा स्टेशनों पर पूर्व की तरह यात्री ट्रेनों का स्टॉपेज तत्काल बहाल किया जाए तथा अन्य लंबित रेल सुविधाओं पर भी शीघ्र निर्णय लिया जाए, ताकि क्षेत्र में दोबारा आंदोलन की स्थिति निर्मित न हो।

पुल के नीचे सड़क हुई खोखली, कभी भी हो सकता है बड़ा हादसा

जमुना-बदरा मुख्य मार्ग पर मंडरा रहा खतरा, रोज गुजरती हैं स्कूल बसें और भारी वाहन

प्रशासन से तत्काल मरम्मत व बैरिकेडिंग की मांग

हरिभूमि न्यूज भालूमाड़ा।

लगातार हो रही बारिश के बीच जमुना से बदरा जाने वाले मुख्य मार्ग पर एक गंभीर खतरा पैदा हो गया है। जयराम भूसा गोदाम के सामने स्थित पुल के नीचे सड़क का बड़ा हिस्सा अंदर से पूरी तरह खोखला हो चुका है। ऊपर से सड़क सामान्य दिखाई दे रही है, लेकिन नीचे का हिस्सा कट जाने से किसी भी समय सड़क धंसने की आशंका बनी हुई है। यदि समय रहते इसकी तकनीकी जांच और मरम्मत नहीं कराई गई तो यहां बड़ा सड़क हादसा हो सकता है।

यह मार्ग जमुना, बदरा, भालूमाड़ा और कोतमा क्षेत्र को जोड़ने वाला महत्वपूर्ण संपर्क मार्ग है। प्रतिदिन इस सड़क से हजारों लोग आवागमन करते हैं। सुबह और दोपहर के समय कई निजी विद्यालयों एवं केंद्रीय विद्यालय की स्कूल बसें इसी मार्ग से बच्चों को लेकर गुजरती हैं। इसके अलावा यात्री बसें, एम्बुलेंस, निजी चारपहिया वाहन, दोपहिया वाहन तथा भारी मालवाहक ट्रक भी लगातार इस सड़क का उपयोग करते हैं। ऐसे में सड़क के नीचे बने खोखले हिस्से ने राहगीरों और वाहन चालकों की चिंता बढ़ा दी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पुल के नीचे लगातार हो रहे कटाव के कारण सड़क की नींव कमजोर हो गई है। बरसात के कारण पानी का तेज बहाव मिट्टी को बहाकर ले जा रहा है, जिससे सड़क के नीचे बड़ा खाली स्थान बन गया है। ऊपर से सड़क सुरक्षित दिखाई देने के कारण वाहन चालक बिना किसी आशंका के तेज गति से निकलते हैं, जबकि वास्तविक खतरा सड़क के भीतर छिपा हुआ है। यदि भारी वाहन के दबाव से सड़क अचानक धंस गई तो बड़ा हादसा हो सकता है।

क्षेत्रवासियों ने बताया कि कई दिनों से यह स्थिति बनी हुई है, लेकिन अब तक संबंधित विभाग द्वारा न तो कोई चेतावनी बोर्ड लगाया गया है और न ही क्षतिग्रस्त हिस्से की बैरिकेडिंग की गई है। इससे अनजान वाहन चालक सीधे उसी मार्ग से गुजर रहे हैं। रात के समय और बारिश के दौरान खतरा और अधिक बढ़ जाता है, क्योंकि सड़क की वास्तविक स्थिति का अंदाजा लगाना मुश्किल हो जाता है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि समय रहते मरम्मत नहीं कराई गई तो किसी भी दिन स्कूल बस, यात्री वाहन या भारी ट्रक दुर्घटना का शिकार हो सकता है। सबसे अधिक चिंता स्कूली बच्चों की सुरक्षा को लेकर जताई जा रही है, क्योंकि प्रतिदिन सैकड़ों बच्चे इसी मार्ग से विद्यालय आते-जाते हैं। लोगों ने लोक निर्माण विभाग एवं जिला प्रशासन से मांग की है कि तत्काल मौके पर तकनीकी टीम भेजकर सड़क और पुल की जांच कराई जाए। जब तक स्थायी मरम्मत नहीं हो जाती, तब तक क्षतिग्रस्त हिस्से की बैरिकेडिंग कर चेतावनी संकेत लगाए जाएं और आवश्यकता पड़ने पर भारी वाहनों का आवागमन भी अस्थायी रूप से रोका जाए। क्षेत्रवासियों का कहना है कि प्रशासन को किसी दुर्घटना के बाद कार्रवाई करने के बजाय पहले से ही इस गंभीर समस्या का समाधान करना चाहिए। समय रहते आवश्यक कदम उठाए जाने से किसी बड़ी जनहानि और आर्थिक नुकसान से बचा जा सकता है। लोगों ने प्रशासन से इस मामले को गंभीरता से लेते हुए शीघ्र मरम्मत कार्य शुरू कराने की मांग की है, ताकि आम नागरिकों और स्कूली बच्चों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित हो सके।

स्थानीय युवाओं को रोजगार में प्राथमिकता दिलाने भाजपा मंडल अध्यक्ष ने कंपनी प्रबंधन को सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज चचाई।

भारतीय जनता पार्टी अनूपपुर ग्रामीण (चचाई) मंडल अध्यक्ष एवं जनपद सदस्य सत्यनारायण फुक्कू सोनी ने सोमवार को आरके अर्थ रिसोर्सेज प्राइवेट लिमिटेड की शारदा ओपनकास्ट परियोजना (बकही/चचाई) के प्रबंधन को एक ज्ञापन सौंपकर ग्राम पंचायत बकही के स्थानीय बेरोजगार युवाओं को रोजगार में प्राथमिकता देने की मांग की। ज्ञापन की प्रतिलिपि क्षेत्रीय सांसद, क्षेत्रीय विधायक, मध्यप्रदेश अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष, कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, भाजपा जिला अध्यक्ष सहित संबंधित अधिकारियों को भी भेजी गई है। ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि शारदा ओपनकास्ट परियोजना का कार्यक्षेत्र ग्राम पंचायत बकही के अंतर्गत आता है। परियोजना प्रारंभ होने के समय स्थानीय ग्रामीणों एवं बेरोजगार युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया गया था, लेकिन वर्तमान में स्थानीय पात्र युवाओं की अपेक्षा बाहरी क्षेत्रों के लोगों को अधिक संख्या में रोजगार दिया जा रहा है। इससे ग्राम पंचायत बकही के युवाओं और ग्रामीणों में गहरा असंतोष व्याप्त है। भाजपा मंडल अध्यक्ष सत्यनारायण फुक्कू सोनी ने कहा कि ग्राम पंचायत बकही में अनुसूचित जनजाति एवं अनुसूचित जाति वर्ग की आबादी लगभग 90 प्रतिशत है, जिनके लिए रोजगार का यह बड़ा अवसर होना चाहिए। उन्होंने कंपनी प्रबंधन से मांग की है कि स्थानीय युवाओं की योग्यता, अनुभव एवं पात्रता के आधार पर उन्हें प्राथमिकता से रोजगार उपलब्ध कराया जाए, जिससे क्षेत्र के लोगों का आर्थिक एवं सामाजिक विकास सुनिश्चित हो सके। उन्होंने बताया कि इस विषय से क्षेत्रीय सांसद, क्षेत्रीय विधायक, भाजपा जिला अध्यक्ष एवं अन्य जिम्मेदार जनप्रतिनिधियों को भी अवगत कराया जा चुका है। इसके बावजूद अब तक स्थानीय युवाओं को रोजगार दिलाने की दिशा में कोई संतोषजनक पहल नहीं होने से ग्रामीणों में निराशा और आक्रोश बढ़ रहा है। ज्ञापन में कंपनी प्रबंधन से शीघ्र सकारात्मक कार्रवाई करने का आग्रह करते हुए चेतावनी दी गई है कि यदि स्थानीय बेरोजगार युवाओं को प्राथमिकता के आधार पर रोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में जल्द ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो भारतीय जनता पार्टी अनूपपुर ग्रामीण (चचाई) स्थानीय ग्रामीणों के साथ मिलकर लोकतांत्रिक एवं जनहित में चरणबद्ध आंदोलन करेगी। इस दौरान उत्पन्न होने वाली समस्त परिस्थितियों की जिम्मेदारी कंपनी प्रबंधन की होगी। इस संबंध में स्थानीय ग्रामीणों ने भी आशा व्यक्त की है कि कंपनी प्रबंधन स्थानीय लोगों की भावनाओं का सम्मान करते हुए रोजगार में प्राथमिकता सुनिश्चित करेगा, जिससे क्षेत्र में विश्वास एवं समन्वय का वातावरण बना रहे।

उद्योगपति पर हमले के आरोपितों की गिरफ्तारी नहीं

कटनी। उद्योगपति मुकेश गुप्ता पर हुए हमले के मामले में पुलिस की कार्रवाई की रफ्तार को लेकर व्यापारिक संगठनों में असंतोष बढ़ता जा रहा है। घटना के कई दिन बीत जाने के बाद भी मामले के अनेक आरोपी पुलिस की पकड़ से दूर बताए जा रहे हैं, जिससे व्यापारी वर्ग में आक्रोश का माहौल है।बताया जाता है कि पांच जुलाई को माधवनगर क्षेत्र में जमीन से जुड़े विवाद के दौरान उद्योगपति मुकेश गुप्ता, राहुल गुप्ता और उनके चालक पर एक समूह ने हमला कर दिया था। घटना के बाद पीड़ित पक्ष की शिकायत पर पुलिस ने बलवा, मारपीट, हत्या के प्रयास और धमकी समेत विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज किया था। इसके बावजूद अब तक सीमित कार्रवाई होने को लेकर सवाल उठने लगे हैं। मामले को लेकर कटनी जिला व्यापारी संघ तथा विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के नाम ज्ञापन सौंपकर सभी आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की है।